He Gazette of India Published by Authority

सं० 15]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 5, 1982 (ज्येष्ट 15, 1904)

No. 15]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 5, 1982 (JYAISTHA 15, 1904)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 3 [PART III—SECTION 3]

लघु प्रशासनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं [Notifications relating to Minor Administrations]

संघ शामित प्रदेश, दादरा एव नगर हवेली

प्रशासन

दादरा एवं नगर हवेली

सिलवास, दिनाक 16 ग्राप्रैल 1982

मं० प्रशा०/विधि 2 सह०/887/(82)—प्रशासक, दावरा एव नगर हवेली, गुजरात सहकारी समितिया भ्रधिनियम, 1961 (गुजरात श्रधिनियम सख्या 1962 का 10) की धारा 150 की उप-धारा (1) दादरा एव नगर हवेली सहकारी समितिया (सशोधन नियम, 1973) के नियम 27 के साथ पठित द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा उक्त श्रधिनियम के प्रयोजन हेतु निम्नाकित सदस्यों का दादरा एव नगर हवेली सहकारी ग्रधिकरण गठित करते हैं —

- (1) जिला एव सन्न न्यायाधीण अध्यक्ष दावरा एव नगर हवेली
- (2) श्री गरद एस० कापडिया सदस्य बी० ए० एल० एल० बी० (श्रधिवक्ता) भौटा बाजार, वलसाड

- (3) श्रीधीरेन्द्रके० पटेल, बी० ए० एल० एल० बी० (ग्रधिवक्ता) हालर रोड, बलसाड
- (2) इस मधिकरण की मवधि इस मधिसूचना के जारी करने की तारीख से तीन वर्ष तक होगी।

सदस्य

- (3) प्रशासक, दाइरा एव नगर हवेली, सिलवास, प्रध्यक्ष के लिये 100 रुपये (सौ रुपये केवल) तथा सदस्य के लिये रुपये केवल) उनके द्वारा निर्णील प्रत्येक मामले पर मानदेय राणि ग्राट करते हैं।
- (4) अधिकरण का सदस्य मानदेय राशि के श्रितिरिक्त वलसाड श्रीर सिलवास के मध्य उस यात्रा भत्ते का भी हकदार होगा जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार के पदक्रम-1 के श्रिधिकारी को ग्राह्म है।
- (5) श्रिधिकरण के किसी सदस्य का स्थान यदि रिक्त होना है नो वह प्रशासक द्वारा भरा जाएगा।
- (6) प्रध्यक्ष द्वारा प्रधिकरण के सदस्यों के मध्य से जिसमें वह स्वयं भी सम्मिलित है गठित न्यायपीठ प्रधिक करण की शक्तियों एवं कार्यों का संपादन एवं निर्वहन कर्ष्यं सं सकता है।

(111)

बणर्ते कि कोई भी वार्तालापी श्रावेदन-पत्र एक श्रथवा श्रिधिक सदस्यों द्वारा जो मौजूद हों, सुना जाए।

- (7) दो ग्रथवा ग्रधिक सदस्यों की ऐसी न्यायपीठ गठिस होगी।
- (8) जहां कोई मामला तीन सदस्यों द्वारा सुना जाता है वहां बहुमत की राय मान्य होगी तथा निर्णय भी बहुमत की राय मान्य होगी तथा निर्णय भी बहुमत की राय के अनुसार होगा। जहां कोई मामला समसंख्यक सदस्यों द्वारा मुना जाता है और सदस्य ममान रूप से विभाजित हैं यदि अध्यक्ष सदस्यों में से एक हैं, अध्यक्ष की राय मान्य होगी, तथा अन्य मामलों में मामला सुनवाई के लिए अध्यक्ष को भेजा जाएगा तथा उन्हीं के निर्णयानुसार फैसला किया जाएगा।
- (9) प्रशासक की पूर्ण मंज्री की मर्त पर श्रिधकरण श्रपनी प्रक्रिया के विनियमन एवं कार्य के निपटारे के लिए इस श्रिधिनियम एवं नियमों के अन्तर्गत बनाए गए उपबन्धों के श्रन्रूरूप विनियम बनाएगा।
- (10) उप-धारा (9) के ध्रन्तर्गत बनाए गए विनियम सरकारी राजपत्न में प्रकाशित किए जाएंगे।
- (11) किसी भी निर्णय प्रथवा ग्रादेश की वैधता एवं भ्रीकित्य के विषय स्वयं की सन्तुष्टि के लिए भ्रधिकरण किसी भी कार्यवाही के ग्रभिलेख जिसमें इसके समक्ष भ्रपील हो—जांच के लिए मंगवा सकता है। यदि किसी मामले में भ्रधिकरण को ऐसा लगे कि कोई निर्णय ग्रथवा श्रादेश संशोधित, रद्द श्रथवा श्रितिवर्तित किया जाना चाहिए, तो ऐसा होने पर श्रधिकरण ऐसा कोई श्रादेश जो उसे उचित लगे पारित कर सकता है।
- (12) जहां धारा 102 के अन्तर्गत अधिकरण से अपील की गई है कि यह न्याय के पराजित हो रहे लक्ष्यों की रोक्षने के लिए—ऐसे अन्तर वार्तालापी आदेश, ऐसे अपीलों के रुके हुए निर्णय जो इसे न्यायोचित एवं सुविधाजनक लगें अयवा ऐसे आदेश जो न्याय के लक्ष्यों के लिए अवश्यक हों अयवा अधिकरण के अस के दुरपयोग को रोक्षने के लिए आदेश वना सकता है।
- (13) अपील में श्रथवा प्नरीक्षण में उप-धारा (11) के अन्तर्गत अथवा समीक्षा में धारा 151 के अन्तर्गत अधिकरण द्वारा पारित प्रस्ताव अन्तिम एवं निर्णयात्मक होगा तथा किसी भी सिविल अथवा राजस्व न्यायालय में ही श्रापत्ति नहीं की जाएगी।
- (14) इस ग्रक्षिनियम के श्रन्तर्गत श्रपील की सुनवाई के लिए श्रक्षिप्तरण प्रदत्त सभी मक्तियों का प्रयोग किरेगा

श्रीर श्रवीलीय न्यायाल्य धारा 97 तथा सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की प्रथम श्रनसूची में श्रादेण---41 है।

प्रोपितः---

प्रशासक के श्रादेशानुसार,

(ह∘)

प्रशासक के सचिव, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास

(भ्राई० वी० नायक) सहायक पंजीकार सह० समिति, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास।

> महायक पंजीकार कार्यालय, सहकारी समितियां, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास, दिनांक 28 श्रप्रैल 1982

श्रादेश सं० सह०/एस० पी० वी०/996—सिलवास विभाग सेवा सहकारी मण्डली लि०, सिलवास संख्या सह०/सेवा/10/66 दिनांक 24-10-66 के श्रन्तर्गंत गुजरात सहकारी समितियां श्रधिनियम, 1961—जिसका विस्तार इस प्रदेश तक है—के तहत पंजीकृत की गई थी। समिति ने निम्नांक्ति उपबन्धों, उप-विधियों का उल्लंघन किया है:—

- (1) समिति, गुजरात सहकारी समितियां श्रधिनियम, 1961 की धारा 85 के उपबन्धों—जो इस प्रदेश पर लागू होते हैं तथा समिति के उप-विधि संख्या 45 (21) के उपबन्धों के श्रनुसार 1/7/77 से 30/6/78, 1/7/78 से 31/12/79 सथा 1/1/80 से 30/6/80 की श्रवधि की रिपोर्ट श्रनुबद्ध समय में प्रस्तुत करने में श्रमफल रही इससे यह स्पष्ट होता है कि समिति ने उपर्युक्त उपबन्धों का उल्लंघन किया है।
- (2) समिति ने वलसाड जिला सहकारी ग्रैंक लि०, सिनवास णाखा, के बैंक निरीक्षक की जांच रिपोर्ट का परि-णोधन प्रस्तुत नहीं किया है।
- (3) समिति ने ग्रपने सदस्यों को शेयर प्रमाण-पत्न नहीं दिए हैं ग्रतः समिति ने समिति के उप-विधि संख्या 18 का उल्लंघन किया है।
- (4) समिति ने प्रयने सदस्यों के कानूनी उत्तराधिकारियों के नामांकन सम्बन्धित प्रक्रिया पूर्ण नहीं है ग्रहः समिति के उप-विधि 21 का उल्लंघन निया है।

- (5) सिमिति श्रपने वर्मचारियों की जमानत प्राप्त करने में श्रमफल रही (सिमिति के सिचव को छोडकर चूकि उनकी जमानत प्राप्त कर ली गई है)। जिसके पास नकद स्टाक पड़े हैं; श्रतः सिमिति ने उप-विधि संख्या 45 (क) (5) का उल्लंबन किया।
- (6) समिति गुजरात सहकारी समितियां श्रिधिनियम, 1961 की धारा 106 के श्रन्तर्गत श्रवहेलना करने वाले सिमिति के सभी सदस्यों के विरुद्ध मामला प्रस्तुत करने में श्रसफल रही श्रत सिमिति के उप-विधि संख्या 45 (7) का उल्लंघन किया।
- (7) समिति ने प्रत्येक विमास की प्रगति रिपोर्ट तथा साचित की मेदा समाप्ति के सही समय पर प्रस्तुत करने सम्बन्धित इस कार्यालय के श्रमुदेशों की उपेक्षा की है।
- (8) गुजरात सहकारी सिमितियां श्रिधिनियम, 1961— जिसका विस्तार दादरा एवं नगर हवेली तक है की धारा 86 के श्रन्तर्गत जांच में जांच-ग्रिधिकारी ने सिमिति की निधि (फण्ड के गबन) के लिए सिचिय को उत्तरदायी ठहराया है।
- (9) गुजरात सहकारी समितियां श्रिधिनियम 1961— जिसका विस्तार इस प्रदेश तक है—की धारा 86 के श्रन्तर्गत एक श्रन्य जांच में समिति द्वारा भुगती गई हानियो के लिए सभी भूतपूर्व प्रबन्ध समिति सदस्यों को उत्तरदायी ठहराया गया है। है
- (10) श्रन्पावधिक श्रीर मध्यमावधिक की वसूनी स्थिति सन्तोषजनक नही पायी गई।
- (11) नियन्त्रित वस्तुओं के लिए समिति केवल उचित दर दुकान चला रही है और ग्रपने लक्ष्यों के ग्रनुसार कार्य. नहीं कर रही है जिससे यह प्रकट होता है कि समिति ने ग्रपने लक्ष्य के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है।
- (12) सिमिति की श्राधिक स्थिति इतनी श्रच्छी नहीं कि ये श्रपने कार्य स्वतन्त्र रूप में चला सके इसके श्रितिरिक्त सिमिति बलमाड जिला सहकारी बैंक लि०, सिलवास की भी बहुत ऋणी है जो कि बैंक के 15.10.81 के पत्न से शात होता है। सिमिति फिलहाल श्रनुत्पादक व्यय कर रही है।
- (13) वलसाड जिला महकारी बैंक लि०, वलसाड ने 5-10-81 को हुई प्रपते प्रबन्ध सिमित की बैंठक में यह संकल्प लिया है, देखिए मंकल्प संख्या 25-कि सिमिति का परिसमापन कर दिया जाए चूकि सिमिति को दी गई सहायता अत्यावधिक हो गई है।
- (14) कार्यणीलपूजी के ऋण की किस्तें तथा उसके ब्याज की श्रदायरी नियत तारीख को नियमित नहीं की जा रही हैं। समिति द्वारा सरकारी शेयर पूजी श्रणदान भी श्रभी तक चुकता नहीं गया हैं। समिति पिछले तीन वर्षी से लेखापरीक्षा फीस भी देने में श्रमफल रही हैं।

(15) सिमिति के विशेष श्रधिकारी का भी यही मत है, देखिए उनका पत्र दिनाक 21-1-82. कि सिमिति का परिसमापन कर दिया जाए।

सामिति के पुनर्जीवित होने के श्रासार बहुत है, श्रतः निस्तांकित श्रन्तरिम श्रावेश पारित किया जाता है।

श्रन्तरिम आवेण:---

मं, श्री श्राई० वी० नायक, सहायक पंजीकार, स० स०, दादरा एवं नगर हथेली, निजयास, देखिए गुजरास सहकारी लिमितियां श्रिधनियम, 1961, की धारा 107 (1) (ग) (4) बारा मुझे प्रदत्त शक्तियां जिनका विस्तार दादरा एवं नगर हवेली तक है—एनद्बारा यह श्रादेश देता हूं कि श्रादेश संख्या सह०/सेवा/10/66 दिनांक 24-10-66 के अन्तर्गत पंजीकृत सिलवास विभाग सेवा सहगरी मण्डली लि०, के कार्यों को गुजरात सहकारी समितियां श्रिधनियम, 1961,—जो इस प्रदेश पर भी लागू है—की उपर्युक्त धारा के उपबन्धों के श्रन्तर्गत समाप्त कर दिया जाए।

वलसाड जिला सहकारी बैंक लि॰, वलसाड को गुजरात सहकारी समितियां श्रिधिनियम 1961, जिसका विस्तार इस प्रदेश तक है की धारा 108 के अन्तर्गत समिति का परिसमापक निगुकत किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति निकाय को इस अन्तरिम आदेश के विरुद्ध कोई आक्षेप अथवा अभिवेदन करना हो तो इस आदेश के जारी होने की तारीख से एक माह के अन्दर करना चाहिए।

भ्राई० बी० नायक सहायक पंजीकार स० स० दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास

प्रपत्न "डी"

प्रणासन: संघ गासित प्रदेण, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास

भूमिन्म्रर्जन म्रधिनियम 1894 (1894 की संख्या 1) दिनांक 15 मई 1982

ग्राम: समरवारनि

संख्या: एल० ए० क्यू०/डी० सी० डब्ल्यू०/118/81/समर-वारीन।

प्रणासन सध शासित प्रदेश दादरा एव नगर हवेली, ग्रिधिसूचना संख्या ।

दिनाक 18-12-1981 को यह ग्रधिसुचित किया गया था कि यहा ग्रनुसूची में उल्लिखित भूमि इसके ग्रागे उक्त भूमि के नाम से निर्दिष्ट सार्वजनिक प्रयोजन ग्रनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित के लिए सम्भवतः ही ग्रावश्यक है।

संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली का प्रशासन वलसाड मे दादरा एवं नगर हवेली के भूमि श्रर्जन श्रधिकारी (डी॰ सी॰ डब्ल्यू॰) की उप-धारा-2 के तहत, इस रिपोर्ट में संतुष्ट हैं कि अनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए राजकीय व्यय पर उक्त भूमि को श्रिजित करने की आवश्यकता है।

उक्त श्रधिनियम की धारा-6 के उपबन्धों के तहत यह एतद्द्वारा घोषित किया जाता है कि श्रनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए भूमि की श्रावश्यकता है।

वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-ग्रर्जन ग्रिक्षिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) को उक्त ग्रिक्षित्यम की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहत, उक्त भूमि के सम्बन्ध में ग्रागे से कोई भी कार्यवाही करने के लिए समाहर्ता का कार्य करने के लिए एतद्वारा नियुक्त किया जाता है। उक्त ग्रिक्षिनियम की धारा-7 के तहत, उन्हें उक्त भूमि के ग्रर्जन के लिए ग्रादेश लेने का ग्रिक्षकार दिया जाता है।

उक्त भूमि की योजना की जांच वलसाछ में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-ग्रर्जन ग्रिधकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) के कार्यालय में की जा सकती है।

श्रन	सर्चा
	71 -11

			प्रयोजन जिस के लिए भूमि की
--	--	--	-------------------------------

			हेक्टर ग्रारे चौ० मीटर	भावस्यकता है
	1	2	3 *	4
सम		11 पाइकी 11 पाइकी	0-02-00	दमन गंगा परि- योजना के लिए 2 स्नार० एक्स० डी० वी० बी०/एम० एल०/ए० सी०
		13/2 पाइका	0~00~64	एच०/१३८० एम का निर्माण ।
		71 पाइकी	0-08-00	
		72 पाइकी	0-12-00	
		80/1 पाइकी	0-22-00	
		8 1/1 पाइकी	0-00-48	
		81/2 पाइकी	0-07-00	
		8 <i>2</i> /2 पाइकी	00200	
		85/1 पाइकी	0-08-80	

1	2	3	4
	हे	क्टर ग्रारे चौ०	मिटर
	92/1	0.40-00	
	पाइकी		
	92/2	0-08-00	
	प इकी ,		
	95/3	0-01-00	
	पाइकी		
	96 पाइकी	0-08-00	
	114/1	0-03-00	
	पाइकी		
	1 1 5/1	0-00-48	
	115/2	0-02-00	
	118/1	0-04-00	-
			

प्रशासक के श्राटेशानुसार श्रमोक कुमार श्राचार्य प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली

सिलवास

(भूमि-म्रार्जन म्रधिकारी) डी० सी० डब्स्यू० दाधरा एवं नगर हवेली, सिलवास वलसाड

प्रपत्न ''डी''

प्रणासनः संघ शासिन प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली सिलवास ।

दिनाक 15 मई 1982

भूमि-अर्जन अधिनियम 1894 (1894 की संख्या-1)

ग्राम: खरड़पाड़ा

संख्या : एल० ए० क्यू०/डी० सी० डब्ल्यू०/एन० एच०/133/82/ खरड़माड़ा।

प्रशासन संघ शासित प्रदेश धादरा एवं नगर हवेली, श्रिधसूचना संख्या ।

दिनांक को यह श्रधिसूचित किया गया था कि यहा अनुसूची में उल्लिखित भूमि इसके श्रागे उक्त भूमि के नाम से निर्दिष्ट सार्वजनिक प्रयोजन अनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित के लिए सम्भवतः ही श्रावश्यक हैं।

संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवंली का प्रशासन, वलमाड में दादरा एवं नगर हवेली के भूमि श्रर्जन श्रधिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) की उप-धारा-2 के तहत, इस रिपोर्ट से संतुष्ट हैं कि श्रनुसुषी में खाना-1 में उल्लिखित प्रयोजन

के लिए राजकीय व्यय पर उक्त भूमि को म्रर्जित करने की म्रावश्यकता है।

उक्त श्रधिनियम की धारा-6 के उपबन्धों के तहन यह एतद्द्वारा घोषित किया जाता है कि श्रनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए भूमि की श्रावण्यकत हैं।

वलसाड में दादर एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-प्रजंन ग्रिधिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) को उक्त ग्रिधिनियम की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहन, उक्न भूमि के सम्बन्ध में श्रागे से कोई भी कार्यवाही करने के लिए समाहती का कार्य करने के लिए एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है। उक्त ग्रिधिनियम की धारा-7 के तहत उन्हें उक्न भूमि के ग्राजंन के लिए ग्रादेण लेने का ग्रिधिकार दिया जाता है।

उक्त भूमि की योजना की जांच वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-ग्रर्जन ग्रधिकारी (डी० सी० डब्स्यू०) के कार्यालय में की जा सकती है।

श्रनुसूची

		•	
जिस ग्राम में		श्रावस्थक भूमि	मार्वजनिक प्रयोजन
भूमि स्थित है			जिम के लिए भारत
	हि स् मा	क्षेत्रफल	भूमि की
	संख्या	हेक्टर ग्रार	भावस्यकता है
		चौ० मीटर	
खरड़पाड़ा	47	0-16-00	दमन गंगा परियोजना
	49	0-01-00	की 6 श्रार० सब माइनर
	54 प(इकी	0-53-00	एक्स वाएं तट की प्रधान नहर का
	54 पाइकी	0-13-00	निर्माण ।
	5 5/3	0-02-00	
	58	00-03-00	•
	62/2	0-02-00	
	63/1	0-03-00	
	63/3	0-02-00)
	63/6	0-12-0)

प्रणासक के ग्रादेशानुसार श्रमोक्ष कुमार ग्राचार्य प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली सिलवास

(भूमि-श्रर्जन श्रधिकारी) डी० सी० डब्क्यू० दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास **य**लसा**ड** प्रपन्न "सी"

(प्रारम्भिक प्रधिसूचना)

प्रशासन : संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हेवेली, सिलवास दिनांक 15 मई 1981

भूमि-अर्जन ग्रधिनियम 1894 (1894 की संख्या-1)

ग्राम : खरडपाडा

संख्या एल० ए० क्यू०/डी० सी० डब्स्यू०/एन० एच०/145/82 खरडपाड़ा

प्रशासन संघ णासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली को ऐसा प्रतीत होता है कि यहां ग्रनुसूची में उल्लिखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन श्रर्थात :--

भूमि-प्रजंन प्रधिनियम 1894 (1894 की संख्या-1) की धारा-4 के उपअन्धों के तहत, एतद्द्वारा यह प्रधि-सूचित किया जाता है कि उपरोलिखित प्रयोजन के लिए उक्त भूमि सम्भवतः स्रावश्यक है।

उक्त भूमि में रुचि रखनेवाले सभी व्यक्तियों को चेतावनी दी जाती है कि वे किसी भी सर्वेक्षक श्रथवा उक्त भूमि पर उक्त श्रजन के लिए नियुक्ति व्यक्तियों के कार्यों में न तो बाधा उत्पन्न करें श्रोर न ही किसी प्रकार का हस्तक्षेप करें।

विक्रय, पट्टा गिरवी सोपना विनियम ग्रथवा किसी भी तरह उक्त भूमि का निपटारा ग्रथवा उस पर कोई व्यय ग्रथवा उसमें कोई मुधारों की ही संविदा, इस ग्रधिसूचना की नारीख़ के बाद बिना समाहर्ता की मंजूरी के उक्त ग्रधिनियम की धारा-24 (मातवीवार) के तहत, उक्त भूमि के प्रतिकर को निर्धारित करने वाले ग्रधिकारी द्वारा उपेक्षा ग्रथवा ग्रवहेलना कर दी जायेगी चूकि ग्रंततः उक्त भूमि को ग्रजित किया जाना है।

यदि प्रशासन, दादरा एवं नगर हवेली इस बात से संतुष्ट हो जाता हैं कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए उक्त भूमि आवश्यक है तो इस उदेश्य की श्रंतिम आध्यस्वना उक्त श्रंधिनियम की धारा-6 के तहन भारत के राजपन्न में प्रकाशन के लिए, यथा समय दे दी जायेगी । यदि श्रर्जन का पूर्णतया या इसके सरकार के किसी भाग का परिस्थाग किया जाता है तो इससे सम्बंधित तथ्य--भारत सरकार के राजपन्न में अधि-मुचित कर दिया जाएगा।

उक्त श्रधिनियम की धारा-5 (क) के श्रतमंत समाहर्त्ता के कार्य करने के लिए, प्रशासन, संघ णासित प्रदेण, दादरा एवं नगर हवेली, भूमि-श्रजैन श्रधिनियम 1894 की धारा 3 के खण्ड (ग) के तहत, बलसाड में, दादरा एवं नगर हवेली के भूमि-श्रजैन श्रधिकांरी (डी० सी० डब्ल्यू०) की नियुक्ति करता हैं।

	ऋ*नु	सूची
सघ गाः सित प्रदेश	सर्वेक्षण सङ्या	श्रावश्यक भूमि का लगभग
धादरा एवं नगर	तथा	क्षेत्रफल
हवेली के जिस ग्राम	ं हिस्मा सख्या	
में भूमि स्थित है।		हेल्टर आरे चौ० मिटर
1	2	3
खरड़पाड़ा	$\frac{-}{384/2}$	0-03-00
	384/3	0~04~00
	384/4	0-03-00
	384/5	0-03-00
	384/6	0-05-00
	384/7	0-03-00
	384/8	0-01-00
	384/10	0-00-16

प्रशासक के धादेशानुसार अशोक कुमार श्राचार्य प्रशासक के सचिव दावरा एवं नगर हवेली सिलवास

(भूमि-प्रार्जन प्रधिकारी) डी० सी० डब्ल्यू० दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास वलसाड

प्रपन्न "डी"

प्रशासन : संघ शासित प्रवेश, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास भूमि-म्रर्जन म्रिधिनियम, 1894 (1894 की संख्या-1)

दिनांक

ग्राम: भ्रामली

संख्या : डी० सी० एल० श्रार०/डी० एम० जी०/एल० ए०/115/

श्रामली

प्रशासन संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली प्रधिसूचना संस्या

दिनांक को यह अधिसूचित किया गया था कि यहां अनुसूची में उल्लिखित भूमि। इसके श्रागे उक्त भूमि के नाम में निर्दिष्ट मार्बजनिक प्रयोजन अनुमूची के खाना-4 में उल्लिखित के लिए सम्भवनः ही आवश्यक है।

सघ णासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली का प्रशासन, वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली के भूमि-अर्जन अधिकारी (डी० मी० इक्ल्यू०) की उप-धारा-2 के तहत इस रिपोर्ट से संतुष्ट है कि अनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए राजकीय व्यय पर उक्त भूमि को अजित करने की आवश्यकता है।

उक्त अधिनियम की धारा-6 के उपबन्धों के तहत यह एनद् द्वारा घोषित किया जाता है कि धनुसूची के खाना-4 में उत्तिखन प्रयोजन के लिए मत्मे की स्रावश्यकता है। बलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-अर्जन श्रिधकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) को उक्त श्रिधिनयम की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहत उक्त भूमि के सम्बन्ध में श्रागे से कोई भी कार्यवाही करने के लिए समाहर्ता का कार्य करने के लिए एतद् द्वारा नियुक्त किया जाता है। उक्त श्रिधिनयम की धारा-7 के तहत उन्हें उक्त भूमि के श्रर्जन के लिए श्रादेश लेने का श्रिधकार दिया जाता है।

उक्त भूमि की योजना की जांच बलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-अर्जन श्रधिकारी (डी॰ सी॰ डब्स्यू॰) के कार्यालय में की जा सक्ती है।

	^
ग्रन	सचा

जिम ग्राम में भूमि स्थित है	ऋम सर्वे संख्या एवं हिस्सा संख्या	श्रावश्यक भूमि का लगभग क्षेत्रफल हेक्टर श्रारे भौं० मिटर	सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की श्रावस्यकता है
भामली	585	0-00-64	दमन-गंगा नहर
	592	0-00-48	परियोजना के
	593	0-10-00	श्र धीन श्रार 1/4
	607/1	0-00-58	का निर्माण
	610/2	0-08-00	
	622/1	0-03-00	
	622/2	0-00-80	
	663/1	0-01-00	
	698/1	0-03-00	
	699/1	0-09-00	

प्रशासक के आदेशानुसार श्रशोक कुमार श्राचार्य प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली सिलवास

(भूमि-म्रर्जन प्रधिकारी) डी० सी० डब्ल्यू० दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास वलसाड

> प्रपत्न "सी" (प्रारम्भिक स्रधिसूचना)

प्रज्ञासन: संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास । भूमि-ग्रर्जन श्रधिनियम, 1894 (1894 की संख्या-1)

दिनांक 15 मई 1982

ग्राम : सामरवारणी

संख्या : डी० सी० एल० श्रार०/डी० एम० जी०/एल० ए०/146/ सामरवारणी

प्रशासन संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर ह्वेली को ऐस

प्रतीत होता है कि यहा धनुसूचि में उल्लिखित भूमि, सार्वजनिक प्रयोजन अर्थात् '---

भूमि-अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 की संख्या-1) की धारा-4 के उपबन्धों के तहत, एतद् द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि उपरोलिखित प्रयोजन के लिए उक्तभूमि सम्भवतः आवश्यक है।

उक्त भूमि मे हिच रखने वाले सभी व्यक्तियों को चेतावनी दी जाती है कि वे किसी भी सर्वेक्षक भ्रथवा उक्त भूमि पर उक्त भ्रजन के किए नियुक्त व्यक्तियों के कार्यों में न तो बाधा उत्पन्न करे भ्रीर न ही किसी प्रकार का हस्तक्षेप करें।

विकय, पट्टा गिरवी सोंपना, विनिभय ग्रथवा किसी भी तरह उक्त भूमि का निपटारा ग्रथवा उस पर कोई व्यय ग्रथवा उसमें कोई सुधारों की ही संविदा, इस ग्रधिसूचना की तारीख के बाद, बिना समाहर्ता की मंजूरी के उक्त ग्रधिनियम की धारा-24 (सातवींवार) के तहत, उक्त भूमि के प्रतिकर को निर्धारित करने वाले ग्रधिकारी द्वारा उपेक्षा ग्रथवा ग्रवहेलना कर दी जाएगी चूंकि ग्रंतत: उक्त भूमि को ग्रांजित किया जाना है।

यदि प्रशासन, दादरा एवं नगर हवेली इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए उक्त भूमि आवश्यक है तो इस उद्देश्य की श्रंतिम श्रिधसूचना उक्त श्रिधिनयम की धारा-6 के तहत, भारत के राजपत्न में प्रकाणन के लिए, यथा समय दे वी जाएगी। यदि श्रर्जन का पूर्णतया या इसके मरकार के किसी भाग का परित्याग किया जाता है तो इससे सम्बन्धित तथ्य भारत सरकार के राजपत्न में श्रोधसूचित कर दिया जाएगा।

उक्त श्रधिनियम की धारा-5(क) के श्रन्तगंत समाहर्ता के कार्य करने के लिए, प्रशासन, संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, भूमि-श्रर्जन श्रधिनियम, 1894 की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहत, बलमाड में, दादरा एवं नगर हवेली के भूमि-श्रर्जन श्रधिकारों (डी॰ सी॰ डब्ल्यू०) की नियुक्ति करना है।

ग्रनुसूची

संघ पाःसित प्रदेश	सर्वेक्षण संख्या	श्रावण्यक भूमि का लगभग
		क्षेत्रफल हेक्टर ग्रारेचौ०
के जिस ग्राम में भूमि	हिस्सा संख्या	मिटर
स्थित है		

1	2	3
सामरवार्णा	112/4	0-02-00
	113/4	0-01-00

1	2	3
	113/5 113/6	0-00-64 0-00-62

प्रशासक के श्रादेशानुसार श्रशोक कुमार श्राचार्य प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली सिलवास

प्रपत्न "सी" (प्रारम्भिक श्रधिसूचना)

प्रशासन : संघ मासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, सिल-वास ।

भूमि-म्रर्जन म्रधिनियम, 1894 (1894 की संख्या-1) दिनाक 15 मई 1982

ग्राम : खरड्प।ड्रा

संख्या : एल० ए० क्यू०/डी०सी०डब्ल्यू०/एन० एच०/144/82

प्रशासन मंघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली की ऐसा प्रतीत होता है कि यहा ब्रानुमूचि मे उल्लिखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन ब्रयीत् ——दमन गृंगा परियोजना के लिए 5 ब्राप्ट 5/एम० ब्राप्ट एक्स० एल० बी० एम० सी० वा निर्माण

भूमि-ग्रर्जन श्राधिनियम, 1894 (1894 की सख्या-1) की धारा-4 के उपबन्दों के तहत, एतद् द्वारा यह श्रधिसूचित कियाजाता है कि उपरोलिखित प्रयोजन के लिए उक्त भूमि सम्भवतः ग्रावश्यक है।

उक्त भूमि में किच रखते वाले सभो व्यक्तियों को चेतावनी दी जाती है कि वे किमी भी सर्वेक्षक अथवा उक्त भूमि पर उक्त अज्ञत के किए नियुक्त व्यक्तियों के कार्यों में न तो बाधा उत्यक्त करे श्रीर न ही किसी प्रकार का हस्तक्षेप करे।

विक्रय, पट्टा गिरवी सोंपना, विनिमय अथवा किसी भी तरह उक्त भूमि का निपटारा अथवा उस पर कोई व्यय अथवा उसमे कोई मुधारों की ही संविदा। इस अधिसूचना की तारीख के बाद, विना समाहर्ना की मजूरी के उक्त अधिनियम की धारा-24 (सातवीवार) के तहत। उक्त भूमि के प्रतिकर को निर्धारित करने वाले अधिकारी द्वारा उपेक्षा अथवा अवहैलना वार दो जाएगी चूकि अंतन उक्त भूमि को अजित किया जाना है।

यादि प्रमासना दादरा एवं नगर हवेली इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए उक्त भूमि आवश्यक है तो इस उद्देश्य की श्रंतिम अधिसूचना उक्त श्रधिनियम की धारा-6 के तहत, भारत के राजपत्र में प्रकाशन के लिए, यथा समय दे दी जाएगी। यदि अर्जन का पूर्णतया या इसके सरकार के किसी, भाग का परित्याग किया जाता है सो इससे सम्बन्धित तथ्य भारत सरकार के राजपत्र में अधिमूचित कर दिया जाएगा।

उक्त प्रधिनियम को धारा-5 (क) के प्रक्तर्गत समाहर्ता के कार्य करने के लिए, प्रणासन, संघ णासिन प्रदेश, दादरा एव नगर हवेली, भूमि-प्रजन प्रधिनियम, 1894 की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहत, वलसाड में, दादरा एवं नगर हवेली के भूमि-अर्जन प्रधिकारी (डी० मी० डब्ल्यू०) को नियुक्ति करता है।

भ्रनुसूची

संघ भासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली के जिस ग्राम	सर्वेक्षण संख्या तथा हिस्सा संख्या	•
में भूमि स्थित है		मिट
खरङ्पाङ्ग	386	0-07-00
	387	0-04-00
	410	0-07-00
	411	0-01-00
	413	0-01-00
	414	0-24-00
	1	0-05-00 पी० के०
	2	0-03-00 पी० के०
	16	0-01-00 पी० के०
<u></u>		प्रशासक के भ्रादेशानुसार
(भूमि–ग्रर्जन ग्रधिकारी)		अशोक कुमार फ्रांचार्ट
डी० सी० डब्ल्यू		प्रशासक के स∫चव
बादरा एवं नगर हवेली, सिलवास		दादरा एवं नगर हवेली

प्रपत्न ''डी''

सिलवास

प्रशासन : संघ शासिन प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास । भूमि-श्रर्जन प्रधिनियम, 1894 (1894 की संख्या-1) दिनांक 15 मई 1982

ग्राम : एथल

वलसाड

मंख्या : एल० ए० क्यू०/डी०सी०डब्ल्यू०/एन० एच०/106/81

प्रणासन मंघ णामित प्रदेण दादरा एवं नगर हवेली । प्रधि-सूचना संख्या एल० ए० क्यू०/एन०एच०/106/81/एथल दिनांक 14-12-1981 को यह अधिसूचिन किया गया थाकि यहां प्रनुसूची में उल्लिखित भूमि । इसके भ्रागे उक्त भूमि के नाम में निर्दिष्ट सार्वजिनक प्रयोजन ग्रनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित के लिए सम्भवत. ही भ्रावश्यक है।

संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली का प्रशासन, वलसाड मे दादरा एवं नगर हवेली के भूमि-प्रर्जन श्रिधकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) की उप-धारा-2 के तहत, उस रिपोर्ट में सतुष्ट हैं कि अनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए राजकीय व्यय पर उक्त भूमि की श्रीजत करने की श्रावश्यकता है।

उक्त श्रधिनियम की धारा-6 के उपबन्धों के तहत यह एतद् द्वारा घोषित किया जाता है कि श्रनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए भूमि श्रावश्यकता है।

वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-म्रर्जन मिंधारी (डी० सी० डब्ल्यू०) को उक्त म्रिधिनियम की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहत, उक्त भूमि के सम्बन्ध में म्रागे से कोई भी कार्यवाही करने के लिए समाहर्ता का कार्य करने के लिए एतद् द्वारा नियुक्त किया जाता है। उक्त म्रिधिनियम की धारा-7 के तहत, उन्हें उक्त भूमि के म्रर्जन के लिए म्रावेश लेने का मिंधकार विया जाता है।

उक्त भूमि की योजना की जांच वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-प्रजेंन ग्रधिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) के कार्यालय में की जा सकती है।

धनुसूची

जिस ग्राम मे भूमि स्थित है		का लगभग	सार्वजनिक प्रयो- जन जिसके लिए भूमि की प्राव- श्यकता है
एथल	154/5 पाइकी 154/6 पाइकी 155/1-2 पाइकी 156 पाइकी	0-20-00 0-06-00 7 0-03-00 0-10-00	दमन गंगा परियोजना के लिए बाएं तट की प्रधान नहर का निर्माण ।
	167/14 पाइकी 209/2 पाइकी	0-06-00 0-03-00	

प्रणासक के स्रादेशानुसार, स्रणोक कुमार स्राचार्य (भूमि-प्रजंन अधिकारी) प्रशासक के सचिय डी० सी० डब्ल्यू० दादरा एवं नगर हवेली दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास स्लसाड

प्रपन्न "सी"

(प्रारम्भिक ग्रधिसूचना

प्रशासनः संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास । भूमि-म्पर्जन श्रिधिनियम 1894 (1894 की संख्या—1)

दिनांक 15 मई, 1982

ग्राम: सिलवास।

संख्या : **डी**० सी० एम० श्रार०/डी० एम० जी०/एम० ए०/221/सेलवास ।

प्रशासन संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली को ऐसा प्रतीत होता है कि यहां श्रनुसूची में उल्लिखित भूमि, सार्वजनिक प्रयोजन श्रर्थात :---

दमन-गंगा परियोजना के लिए (श्रार माइनर के) । भ्रार० एक्स० सब-माइनर के निर्माण के लिए सम्भवतः श्रावश्यक है।

भूमि-ग्रर्जन ग्रधिनियम 1894 (1894 की संख्या-1) की धारा-4 के उबपन्धों के तहत, एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि उपरोलिखित प्रयोजन के लिए भूमि सम्भवतः ग्रावश्यक है।

उक्त भूमि में रुचि रखने वाले सभी व्यक्तियों को चेतावनी दी जाती है कि वे किसी भी सर्वेक्षक श्रयवा उक्त भूमि पर उक्त अर्जन के लिए नियुक्त व्यक्तियों के कार्यों मे न तो बाधा उत्पन्न करें श्रौर न ही किसी प्रकार का हस्तक्षेप करें।

विकय, पट्टा गिरवी सोंपना, विनिमय प्रथवा किसी भी तरह उनत भूमि का निपटारा ग्रथवा उस पर कोई व्यय ग्रथवा उसमें कोई मुधारों की ही संविदा, इस ग्रधिमूचना की तारीख के बाद, बिना समाहर्ता की मंजूरी के उक्त ग्रधिनियम की धारा-24 (सातवीबार) के तहत, उक्त भूमि के प्रतिकर को निर्धारित करने वाले ग्रधिकारी द्वारा उपेक्षा ग्रथवा श्रवहेलना कर दी जायेगी चृकि श्रांतत उक्त भूमि को ग्रजित किया जाना है।

यदि प्रणासन, वादरा एवं नगर हवेली इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए उक्त भूमि आवश्यक हैं तो इस उद्देश्य की श्रंतिम श्रधिसूचना उक्त प्रधिनियम की धारा-6 के तहत, भारत के राजपन्न मे प्रकाशन के लिए, यथा समय दे दी जायेगी। यदि अर्जन का पूर्णतया या इसके सरकार के किसी भाग का परित्याग किया जाता है तो इससे सम्बन्धित तथ्य—भारत सरकार के राजपन्न में श्रिधमूचित कर दिया जाएगा।

उक्त श्रिधिनियम की धारा-5 (क) के अन्तर्गत समाहर्ता के कार्य करने के लिए, प्रशासन, संघ णासिन प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, भूमि-म्रर्जन श्रिधिनियम 1894 की धारा-3 के खण्ड (ग) के तहत, घलसाड में, दादरा एवं नगर हवेली के भूमि-भ्रर्जन श्रिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) की नियुक्ति करता है। 2—98GI/82

संघ शासित प्रदेश दादराएव नगर हवेली के जिस ग्राम में भूमि स्थित हैं।	तथा		ग्रावश्यक भूमि लगभग क्षेत्र हेक्टर ग्रारे '	फल
सिलवास ।	45/1		00-08-09	•
		কুল	00-08-09	

प्रशासन के ब्रादेशानुसार, ब्रागोक कुमार श्राचाय, (प्रशासक के सचिव) दादरा एवं नगर हवेंली, सिलवास

प्रपन्न "डी"

प्रशासन: संघ शामित प्रदेश, दावरा एवं नगर हवेली, सिलवास। भूमि-श्रर्जन ग्रिधिनियम 1894 (1894 की संख्या—1)

विनांक 15 मई, 1982

ग्राम: खरङ्पाङ्ग

संख्या : एल० ए० क्यू०/डी० सी० डब्ल्यू०/एन० एच०/ 137/87/खरड़पाड़ा

प्रशासन संघ णासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली, श्रधिसूचना संख्या ।

दिनांक — को यह ग्रधिसूचित किया गया था कि यहां ग्रन्तुची में उल्लिखित भूमि । इसके ग्रागे उक्त भूमि के नाम मे निर्विष्ट सार्वजनिक प्रयोजन ग्रनुसूची के खाना—4 में उल्लिखित के लिए सम्भवतः ही ग्रवश्यक है ।

संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली का प्रशासन, वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली के भूमि धर्जन घ्रधिकारी (डी॰ सी॰ डब्ल्यू॰) की उप-धारा—2 के तहत, इस रिपोर्ट में संतुष्ट हैं कि ग्रनुसूची के खाना-4 में उल्लिखित प्रयोजन के लिए राजकीय व्यय पर उक्त भूमि को घ्रजित करने की श्रावण्यकता है।

उक्त ग्रिधिनियम की धारा-6 के उपबन्धों के तहल यह एतद्द्वारा घोषित किया जाता है कि ग्रनुसूची के खाना-4 मे उल्लिखित प्रयोजन के लिए भूमि की ग्रावश्यकता है।

वलनाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-ग्रर्जन ग्रिधिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) को उक्त ग्रिधिनियम की धारा- 3 के खण्ड (ग) के तहत, उक्त भूमि के सम्बन्ध में ग्रागे से कोई भी कार्यवाही करने के लिए समाहर्ता का कार्य करने के लिए एतद्- हारा नियुक्त किया जाता है। उक्त ग्रिधिनियम की धारा- 7 के तहत, उन्हें उक्त भूमि के ग्रर्जन के लिए ग्रादेश लेने का ग्रिधकार दिया जाता है।

उक्त भूमि की योजना की जांच वलसाड में दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास के भूमि-म्रर्जन म्रधिकारी (डी० सी० डब्ल्यू०) के कार्यालय में की जा सकती है।

''श्रनुसूची''

जिसग्राम में भूमि स्थित है	क्रम सर्वे संख्या एवं हिस्सा संख्या	ग्रावश्यक भूमि का लगभग क्षेत्रफल हेक्टर ग्रारे चौ० मिटर	जन जिस के लिए भूमि की
खरङ्गाङ्ग	63/14	0-03-00	दमनगंगा के लिए
	64/2	0-03-00	6 भार सब-
	65/1	0-05-00	माइनर का निर्माण
	66/1	0-02-00	
	66/2	0-02-00	
	67/3	0-11-00	
	67/4	0-00-48	
	67/5	0-05-00	
	68	0-11-00	
	-	0-42-48	

(भूमि-म्रर्जन म्नधिकारी) डी०सी०डब्स्यू० दावरा एवं नगर हवेली, सिलवास, बलसाड । प्रशासक के आदेशानुसार, ग्रशोक कुमार आचार्य, (प्रशासक के सचिव) धादरा एवं नगर हवेली, सिलवास ।

"संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हावेली"

प्रशासन : दावरा एवं नगर हवेली, सिलवास,

दिनांक 6 मई, 1982

- पठित :--(1) श्रधिसूचना संख्या प्रंशा०/विधि/164(2)/ 20/76, विनांक 31 श्रगस्त, 1976 ।
 - (2) न्यूनतम मजदूरी श्रिधिनियम, 1948 के श्रन्तर्गत गठित सलाहकार मण्डल की प्रथम बैठक दिनांक 14 दिसम्बर, 1981, की कार्यवाही दिनांक 16 दिसम्बर, 1981।

ग्रधिसूचनाः--

 संख्या प्रणा०/विधि/ न्यू० म०/134(4)/(7)/
 82ं, निम्नांकित मधिसूचना के प्रारुप को न्यूमतम मजबूरी ग्रिधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 3 की उप-धारा

- (1) धारा 5 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के साथ पठित के अन्तर्गत जारी करने का प्रस्ताव है, जिसमें सम्पूर्ण दादरा एवं नगर हवेली में उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारियों को देय न्यूनतम मजदूरी की दरों को परिणोधित करने का प्रस्ताव सम्मिलत है। इसे मुर्वसाधारण की सूचना के लिए, जिनके भी इससे प्रभावित होने की सम्भावना है, जैसा कि उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा अपेक्षित है, एतद्द्वारा प्रकाणित किया जाता है और यह नोटिस विया जाता है कि उक्त प्रारूप पर, इसके भारत सरकार के राजपन्न में प्रकाणित होने की तारीख के बाद, विचार किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति उपर्युक्त न्यूनतम मजदूरी दर के परिणोधन के विरुद्ध कोई आक्षेप करना चाहता हो सो वह अपना आक्षेप अथवा अभिवेदन, इस अधिसूचना प्रारूप के भारत सरकार के राजपन्न में प्रकाणित होने से एक महीने के अन्दर, लिखित में, प्रणासक के सचिव, वादरा एवं नगर हवेली, सिलवास को भेजें।
- 2. यदि कोई ग्रभिवेदन/म्राक्षेप उपर्युक्त भ्रवधि के समाप्त होने के पश्चान प्राप्त होगा तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

श्रधिसूचना प्रारूप:---

संख्या प्रशा० विधि न्यू० म० (134) (4) (7) /82 :— प्रशासक, दादरा एवं नगर हवेली, न्यूनतम मजदूरी प्रधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 5 की उप-धारा (1) की धारा-3 प्रौर खण्ड (ख) की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग कर हुए सलाहकार मण्डल से परामर्श करने के बाद सम्पूर्ण दादरा एवं नगर हवेली में कृषि रोजगार को छोड़-कर धनुसूचित रोजगारों में रोजगाररत प्रकुशल भौद्योगिक श्रीकों के सम्बन्ध में एतब्दारा न्यूनतम मजदूरी की वर 5 रुपये प्रतिदिन [निश्चित देखिए ऊपर प्रस्तायना (1) में उस्लिखित प्रशासन प्रधिसूचना दिनांक 31-8-1976] से 6 रुपये परिशोधित करते हैं।

स्पष्टीकरण:---

- पुरुष, स्त्री, किशोर भ्रयवा बालक कामगार को वही न्यूनतम मञ्जदूरी की वर देय होगी जो वयस्क कामगार के लिए निश्चित की गई है।
- 2. "नैमित्तिक श्रमिक" मे ऐसा कोई भी व्यक्ति सम्मिलित है जो उद्योग में रोजगार के सम्बन्ध में भाड़े अथवा परितोषिक पर नियुक्त है तथा जिसे ऊपर की मजदूरी अथवा बिना ऊपर की मजदूरी के साथ कार्यदिवस के आधार पर मजदूरी दी जाती है।

यह भ्रधिसूचना भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होगी।

प्रशासक के भ्रादेशानुसार,

भ्रशोक कुमार भ्राचार्य (प्रशासक के सचिव) वादरा एवं नगर हवेली, सिलवास

प्रशासन, दादरा एवं नगर हवेली," संख्या प्रशा०/विधि/एन० एस०म्रो०/409/(2)/82 सिलवास, विनांक 15 मई 1982

घावेश:---

जबिक दादरा एवं नगर हवेली में फैलती हुई परिस्थितियां ग्रथवा ऐसी परिस्थितियां जिनके फैलने की सम्भावना है कि ग्रोर उचित ध्यान देते हुए यह श्रावण्यक समझा जाता है कि जिला मजिस्ट्रेट को राष्ट्रीय सूरक्षा श्रधिनियम, 1980 की धारा 3 की उप-धारा (3) के श्रन्तर्गत राज्य सरकार के कृत्यों का सम्पादन करने के लिए ग्रधिकार दे दिए जाएं।

श्रतः प्रशासक, दादरा एवं नगर हवेली, राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रधि-नियम 1980, की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला मजिस्ट्रेट, दादरा एवं नगर हवेली को 1-4-82 से 30-6-82 तक तीन महीने की भ्रवधि के लिए संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली मे उसी म्रधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) के भ्रन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए निदेश व श्रधिकार देते हैं।

> प्रशासक के आदेशानुसार, यशोक कुमार श्राचार्य प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास

"संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली" प्रशासन, दादरा एवं नगर नगर हवेलीं, सं० प्रशा०/विधि/द० प्र० सं०/ (9)/1982 दिनांक 17 मई 1982

प्रशासक, दावरा एवं नगर हवेली, दण्ड प्रक्रिया [संहिता, 1973, (1974 का 2) की धारा 20 की उप-धारा ु(1)

द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली के सभी भूमि-सुधार अधिकारियों को दावरा एवं एवं नगर हवेली के कार्यकारी दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं।

यह बादेश त्रन्त प्रभावी होना चाहिए।

प्रशासक के श्रादेशानुसार, श्रशोक कुमार ग्राचार्य (प्रशासक के सचिव) षादरा एवं नगर हवेली, सिलवास

संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली सिलवास, दिनांक 2 अप्रैल 1982

संख्या प्रशा०/स्था०/भर्ती नि०/उमभूसंग्र/1/82---प्रशासक, वादरा एवं नगर हवेली, भारत सरकार, गृह मंत्रालय नई विल्ली की ग्रधिसूचना संख्या एफ-3 (4)/65 जी० पी०, दिनांक 2.7 जनवरी, 1965 के अन्तर्गत निहित्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संघ लोक सेवा ब्रायोग, नई दिल्ली, की पूर्वानुमति से एतदहारा संघ शासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली के भ्रन्तर्गत श्रेणी-II राजपत्नित उप-मण्डलीय भूमि संरक्षण प्रधिकारी के पद के लिए यहां संलग्न परिणिष्ट के प्रनुसार भर्तीनियम निर्धारित करते हैं।

> प्रशासक के ग्रादेशानुसार ग्रशोक कुमार ग्राचार्य, प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली,

सिलवास : दिनांक : 2 मप्रैल, 1982

सिलवास

दादरा एवं नगर हवेली में उप-मण्डलीयभूमि-संरक्षण ग्रधिकारी के पद के लिए भति:नियम

पद का नाम	पदों भी संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन प्रथवा श्रचयन पव	सीधी भर्ती के लिए म्रायु सीमा	क्या सी० सी० एस० (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के प्रन्तर्गत सेवा के जुड़े हुए वर्षों का लाभ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6-क)
उप-मण्डलाय भूमि संरक्षण म्राधिकारी ¦	2(दो) परिवर्तनगीलता कार्यभार पर निर्भर](1982)	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "बी" राजपन्नित	ष० 650-30- 740-35-810- द० रो०-35-880] -40-1000-द० रो०40-1200	चयन	म्रधिकतम म्रायु सीमा 30 वर्ष (सरकारी कर्म- चारियों के लिए 5 वर्ष तक को छूट	नहीं

1	2	3	4	5	6	6क
					टिप्पणी : ग्रायु सीमा निर्धारित करने के लिए भारत में रहने वाले उम्मीव वारों से ग्रावेदन पत्र प्राप्त करने की ग्रान्तम तिथि ही निर्णायक तिथि होगी । (ग्रण्डमान भ्रीर निकोबार बीप- समूह तथा लक्षीप को छोड़कर)	
	हवेली में उप-मण्डलीय के पद के लिए भर्ती-		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	 		
सीर्धा भर्ती के लिए श्रपेक्षित शैक्षणिक एवं श्रन्य योग्यताएं	क्या सीधी भर्ती के लिए विहित शैक्षणिक योग्यताएं प्रोप्तिति किए जाने वाले व्यक्ति के मामले मे लागू होंगी	परिवीक्षावधि यवि कोई हो	भर्ती प्रकिया सीधी श्रयवा प्रोन्नति द्वारा श्रथवा प्रतिनियुक्ति द्वारा तथा विभिन्न प्रक्रियाओं के द्वारा भरी जाने वाली प्रतिशतता	भर्ती के मामले में पदकम जिससे प्रोन्नसि/	ा यदि वि० प्रो० सं० है तो इसकी संरचना क्या है?	ऐसी परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए सं० लो० से० ग्रा० से परामर्श लेना हो
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
1. प्रनिशार्य कृषि-रसायन प्रथवा मृदविज्ञान प्रथवा कृषि साथ में मृद विज्ञान विशिष्ट योग्यता में किसी मान्यता- प्राप्त विश्व- विश्वालय की डिग्री प्रथवा समकक्ष योग्यता। 2. भूमि संरक्षण मृद विज्ञान मे 3 वर्ष का प्रनुसन्धान/ ग्रैक्टिकल प्रनुभव	ग्रायुः नही श्रेक्ष०ः खाना 1 में दर्शायी गर सीमा तक		1 50% प्रोन्नति द्वारा न मिलने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (ग्रल्पावधि करार सम्मिलित) बोनों के न मिलने पर सीधी भर्ती द्वारा 2.50सीधी भर्ती द्वारा।	नियमित सेवा का 8 वर्ष का श्रनुभव तथा साथ मे किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय संस्था/से बी० एम सी० (कृषि) की डिग्री श्रथवा सि- विल इंजीनियरिंग		पर म्रिक्षिकारी की नियुक्ति के ज्यान हेतु सीधी भर्ती के समय तथा हन नियमों के लिए किसी भी उप बन्ध के संगी-धन/छूट क समय के संग्लों के स्था के संग्लों के सं

7 8	9	10	11	12	13
किसी प्रकार से			स्थानांतरण (ग्रल	ग- करता है तो एक	
श्रधिक योग्य			वधि करार सम्मि		
उम्मीदवार के			लित)	जाएगी जिसकी	
मामले में सं०			केर्न्द्राय/राज्य सर	- ग्रध्यक्षतासं०लो०	
लो० से० ग्रा०			क⊓रें/कृषि विक्वः	- से० ग्रा० के श्रष्टयक्ष	
की इच्छा पर			विद्यालय/मान्यता	- ग्रथवा सदस्य करेंगे	
योग्यत्।श्रों में छुट			प्राप्त श्रनुसन्धान	!	
दी जा सकती है			संस्थाएं ग्रयव		
			कौंसिलें/ग्रर्धसर	-	
टिप्पणी 2:यदि			कारी, संविधिक	7,	
सं० लो० से० ग्रा•			ग्रथवा स्वायत्व		
का यह मत है कि			संगठनों के श्रन्तर्ग	त	
भ्रनुसूचित जाति			ग्रधिकारी :		
एवं ग्रनुसूचित			(i) सदृश पद		
जन जाति के			पर हो ;		
उम्मीदवारों की			ग्रथवा		
पर्याप्त संख्या के			(ii) 550-90	0	
पास उनके लिए			के वेतनमान	7	
ग्रारक्षित पदों			के पदों पर	3	
को भरने के लिए			वर्षकी सेव	Γ	
ग्रपेक्षित ग्रनुभव			हो ग्रथवा सम	-	
होने की सम्भावना			कक्ष योग्यताः;		
नहीं है तो सं०			प्रथवा		
लो० से० ग्रा०					
की इच्छा पर			(iii) 425-700)	
चयन किः किसंः			के वेतनमान		
भी श्रवस्था में			के पदों पर 8	3	
ग्रनुभव से सम्ब-			वर्षक(सेवाह	Г	
न्धित योग्य-			श्रथवा समकक्ष	Г	
ताश्रों में छूट दी			योग्यता ;		
जा सकति। है।					
			श्रौर		
			(क) सीधीभर्त	f	
			के लिए खान	เเ	
			7 में निर्धारि	रत	
			शैक्षणिक यो	ग्य-	
			ताएं एवं ग्रन्	[-	
			भव हो ।		
			प्रतिनियु क्ति/ करा	र	
			की ग्रवधि सामान	यतः	
			3 वर्ष से ग्रधिक		
			नहीं होगी ।		

प्रशासक के मादेशानुसार ह/-प्रशासक के सचिव दादरा एवं नगर हवेली सिलवास

UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI

ADMINISTRATION OF DADRA AND NAGAR HAVELI

Silvassa, the 16th April 1982

No. ADM/LAW/Coop/887-(82).—In exercise of the powers conferred vide sub-section (1) of Section 150 of the Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 (Gujarat Act No. X of 1962), read with Rule 27 of the Dadra and Nagar Haveli Cooperative Societies (Amendment Rules, 1973), the Administrator Dadra and Nagar Haveli hereby constitutes Dadra and Nagar Haveli Cooperative Tribunal for the purpose of the said Act consisting of the following members:—

(1) District and Sessions Judge, Dadra and Nagar Haveli. Chairman

(2) Shri Sharad S. Kapadia, B.A. LL.B. (Advocate), Mota Bazar, Valsad.

Member

 Shri Dhirendra K. Patel, B.A. LL.B. (Advocate), Halar Road, Valsad. Member

- 2. The period of this Tribunal will be for three years from the date of issue of this Notification.
- 3. The Administrator, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa is further pleased to grant Honorarium of Rs. 100/- (Rupees one hundred only) to the Chairman and Rs. 75/- (Rupees seventy five only) to the member per case decided by them
- 4. A member of the tribunal shall in addition to the honorarium be entitled to draw Travelling Allowance between Valsad to Silvassa as admissible to Grade I Officer of the Central Government from time to time.
- 5. Any vacancy in the membership of the Tribunal shall be filled by the Administrator;
- 6. The powers and functions of the Tribunal may be exercised and discharged by bench constituted by the President from amongst the member of the tribunal including himself.

Provided that, any interlocutory application may be heard by one or more members who may be present.

- 7. Such bench shall consist of two or more members.
- 8. Where a matter is heard by the three members, the opinion of the majority shall prevail and the decision shall be in accordance with the opinion of the majority. Where a matter is heard by an even number of members, and the members are equally divided, if the President be one of the members, the opinion of the President shall prveail, and in other cases the matter shall be referred for hearing to the President and shall be decided in accordance with his decision
- 9. Subject to the previous sanction of the Administrator, the Iribunal shall frame Regulations consistant with the provisions of this Act and Rules made thereunder for Regulating its procedure and disposal of its business.
- 10. The regulations made under sub-section (9), shall be published in the Official Gazette.
- 11. The tribunal may call for and examine the record of any proceeding in which an appeal lies to it, for the purpose of satisfying itself as to the legality or propriety of any decision or order passed. If in any case, it appear to the tribunal that any such decision or order should be modified, annulled or reversed the tribunal may pass such order thereon as it may deem just.
- 12. Where an appeal made to the tribunal under section 102, it may, in order to prevent the ends of the justice being defeated, make such inter-locutory orders pending the decision of the appeal as may appear to it to be just and convenient, or such orders as may be necessary for the ends of justice, or to prevent the abuse of the process of the tribunal.
- 13. An order passed in appeal, or in revision under sub-Section (11), or in review under section 151, by the Tribunal shall be final and conclusive and shall not be called in question in any Civil or Revenue Court.

14. The tribunal heating an appeal under this Act shall exercise all the Powers conferred upon and appellate Court be section 9/ and order XLI in the First Schedule of the code of Civil Procedure, 1908.

By Order of the Administrator,

Sd/-Secy. to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa.

OFFICE OF THE ASSTT. REGISTRAR, COOPERATIVE SOCIETIES

DADRA AND NAGAR HAVELI

Silvassa, the 18th April 1982

Order No. Coop/SPV/996.—The Silvassa Vibhag Seva Sahakarı Mandlı Ltd., Silvassa was registered under the Gujarat Cooperative Societies Act, 1961, as extended to this Territory under No. Coop/Seva/10/66 dated 24th October, 1966. The society has violated the provisions bye-laws etc. which are given below:—

- (i) The society has failed to submit audit rectification reports for the period from 1-7-1977 to 30-6-1978, 1-7-1978 to 31-12-1979 and 1-1-1980 to 30-6-1980 in the stipulated time limit as per provisions of Section 85 of Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 as applied to this territory and also the provision of bye-law No. 45(21) of the society and it can be clearly appears that society has violated the above provision.
- (ii) The society has not submitted the rectification of the inspection note of the Bank Inspector of the Valsad Jilla Sahakari Bank Ltd., Silvassa branch.
- (iii) The society has not given share certificates to its members and hence society has violated bye-laws No. 18 of the Society.
- (iv) The society has not completed the procedure regarding nomination of legal heirs of its members and hence violated bye-law No. 21 of the society.
- (v) The society has failed to obtain surcties of its employees (i.e. except Secretary of the society as his surety has been obtained) with whom cash, stocks are lying kept and hence violated bye-law No. 45 (a) (5) of the society.
- (vi) The society has failed to submit the cases under section 106 of the Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 against all the defaulter members of the society and hence violated bye-law No. 45(7) of the society.
- (vii) The society has disregarded the instructions of this office regarding punctual submission of progress report every quarter as well as termination of services of the Secretary.
- (viii) In inquiry under section 86 of Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 as extended to this territory, Inquiry Officer has held responsible the Secretary for misappropriation of the funds of the society.
- (ix) In another inquiry under section 86 of Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 as extended to this territory, the all the ex-Managing Committee members are held responsible for the losses suffered by the society in the sale of Mangalore tiles.
- (x) The recovery position of short-term and mediumterm is not found to be satisfactory.
- (xi) The society is only running fair price shop for distribution of controlled commodities and is not undertaking other activities as per its objects which reveals that the society ceased to work for its main objects.
- (xii) The financial position of the society is not sound to run its affairs independently and is highly indebted to the Bulsar District Cooperative Bank Ltd., Silvassa as per the letter of the bank dated 15th October, 1981 and non-productive expenditure is being incurred at present by the society.

- (xiii) The Bulsar Dist. Cooperative Bank Ltd., Valsad has resolved in its Managing Committee meeting held on 5th October 1981 vide resolution No. 25 to take the society into liquidation as assistance given to the society are now become over due and society 's not paying the same.
- (xiv) The Working Capital loan instalments and interests thereon are not being regularly paid on due dates and the Government Share Capital Contribution is also to be paid by the society is not cleared up. The society has failed to pay audit fees since last three years.
 - (xv) The Special Officer of the society has also opined vide his letter dated 21st January 1982 to take the society into liquidation.

The chances of the revival of the society are remote and hence the following interim order is hereby passed .—

INTERIM ORDER-

I, I. B. Nalk, Asstt. Registrar, C.S., Dadra and Nagar Haveli, Silvassa vide powers vested in me hence order that under section 107(1)(c)(iv) of the Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 as extended to this territory the affairs of the Silvassa Vibhag Seva Sahakari M. Ltd., Silvassa registered under order No. Coop/Seva/10/66 dated 24th October 1966 should be wound up under the provisions of the aforesaid section of the Gujarat Cooperative Societies Act, 1961 as applied to this territory.

The Valsad Jilla Sahakari Bank Ltd., Valsad is appointed as Liquidator of the society under seciton 108 of the Guiarat Cooperative Societies Act, 1961 as extended to this territory.

If any person/body has any objection or representation to make against this interim order should make the same within one month from the date of issue of this order.

I. B. NAIK
Asstt. Registrar, C. S.,
Dadra and Nagar Haveli,
Silvassa.

FORM 'D'

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894)

Village: SAMARVARNI

No. LAQ/DCW/NH/118/81-SAMARVARNI

Whereas by the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli Notification No. dated 18-12-1981. It was notified that the lands specified in the schedule hereto (hereinafter referred to as the said lands) were likely to be needed for the public purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

And whereas the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied after considering the report of Land Acquisition officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad, under sub-section (2) of section 5-A of the Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894) that the said lands are needed to be acquired at the public expenses for the purpose specified in the column 4 of the schedule hereto.

It is hereby declared under the provisions of section 6 of the said Act that the lands are required for this purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

The Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli. Silvassa at Valsad is hereby appointed under clause (c) of section 3 of the said Act to perform the functions of a Collector for all proceedings hereafter to be taken in respect of the said lands. He is also directed under section 7 of the said Act, to take order for the acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad.

SCHEDULE					
Village in which the land is situated	S. No. & Hissa.	Approxima areas of the lands required H. Are. Sqr. M.	te Public purpose for which lands are needed.		
1	2	3	4		
, , , , , , , , , , , , , , , , , , , 	6/1 Paiki	0-08-00	CONSTRUCTION		
SAMARVARNI	11 Paiki 11 Paiki 13/2 Paiki	0-02-00 0-02-00 0-16-00 0-00-64			
	71 Paiki 72 Paiki 80/1 Paiki 81/1 Paiki	0—08—00 6—12—00 0—22—00 0—00—48			
	81/2 Paiki 82/1 Paiki 85/1 Paiki 92/1 Paiki 92/2 Paiki	0-07-00 0-02-00 0-08-80 0-40-00 0-08-00			
	95/3 Paiki 96 Paiki 114/1 Paiki 115/1 115/2 118/1	0-01-00 0-08-00 0-03-00 0-00-48 0-02-00 0-04-00			

Spl. Land Acquisition Officer, Damanganga Canal Works. Dadra & Nagar Haveli-Silvassa. at, Valsad.

By order and in the name of Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA Secy. to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli.

FORM 'D'

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894)

Village: KHARADPADA

No. LAQ/DCW/NH/133/82-KHARADPADA

Whereas by the Administration of the Union Territory of Dadra Nagar Haveli Notification No. dated - -1982. It was notified that the lands specified in the schedule hereto (hereinafter referred to as the said lands) were likely to be needed for the public purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

And whereas the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied after considering the report of Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad, under sub section (2) of section 5-A of the land Acquisition Act 1894 (1 of 1894) that the said lands are needed to be acquired at the public expenses for the purpose specified in the column 4 of the schedule hereto.

It is hereby declared under the provisions of section 6 of the said Act that the lands are required for this purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

The Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad is hereby appointed under clause (c) of section 3 of the said Act to perform the functions of a Collector for all proceedings hereafter to be taken in respect of the said lands. He is also directed under section 7

of the said Act, to take order for the acquisition of the said lands.

A Plan of the said lands can be inspected at the office of the Lands Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Havelt Silvassa at Valsad.

SCHEDULE

	S. No. & Hissa	Approximate area of the required H. Are. Sqr. M.	Public purpose for which lands are needed
1	2	3	4
KHARADPADA	47 49 54 Paiki 54 Paiki	0—16—00 0—01—00 0—53—00 0—13—00	CONSTRUCTION OF 6 R SUB MINOR EX LEFT BANK MAIN CANAL OF DA- MANGANGA PROJECT.
	55/3 58 62/2 63/1 63/3 63/6	0-02-00 0-03-00 0-02-00 0-03-00 0-02-00 0-12-00	

Land Acquisition Officer, Damanganga Canal Works, Dadra & Nagar Haveli.

> By order and in the name of Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

> > ASHOK K. ACHARYA Secy. to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli.

FORM 'C'

(Preliminary Notification)

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894)

Village: KHARADPADA No. LAQ/DCW/NH/145/82

Whereas it appears to the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli that the lands specified in the schedule hereto are likely to be needed for a public purpose viz. for Construction of 5R sub minor Ex. L.B.M.C.

It is hereby notified under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894), that the said lands are likely to be needed for the purpose specified above.

All persons interested in the said lands are hereby warned not to obstruct or interfere with any Surveyor or other persons employed upon the said lands for the purpose of the said acquisition. Any contracts for the disposal of the said lands by sale, lease, mortgage, assignment exchange or otherwise or any outlay or improvements made therein without sanction of the Collector after the date of this notification will under section 24 (seventhly) of the said Act, be disregarded by the officer assessing compensation for such part of the said lands as may be finally required.

If the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied that the said lands are needed for the aforesaid purpose, a final notification to that effect under section 6 of the said Act will be published in the Gazette of India Government in due course. If the acquisition is abandoned, wholly or in part, the fact will be duly notified in the Gazette of India Government.

Under clause (c) of section 3 of the Land Acquisition Act 1894 the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is pleased to appoint LAND ACQUISITION OFFICER (Damanganga Canal Works) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad to perform the functions of a Collector under section 5-A of said Act, in respect of the said lands.

SCHEDULE

Union Territory of Dadra &	a & Survey No. and Hissa No.	Approximate area of land required		
Nagar Haveli, Village in which land is situated		H. A. S.M.		
1	2	3		
KHARADPADA	384/2 384/3 384/4 384/5 384/6 384/7 384/8 384/10	0-03-00 0-04-00 0-03-00 0-03-00 0-05-00 0-03-00 0-01-00 0-00-16		

Land Acquisition Officer Damanganga Canal Works Dadra and Nagar Haveli At; Valsad.

> By the order and in the Name of Administration Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA

Secy. of the Administrator Union Territory of Dadara and Nagar Haveli.

FORM 'D'

ADMINISTRATION OF THE UNION TFRRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894)

Village: AMLI

No. DCLR/DMG/LA/115/AMLI

Whereas by the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli Notification No. dated - -1982. It was notified that the lands specified in the schedule hereto (hereinafter referred to as the said lands) were likely to be needed for the public purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

And whereas the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied after considering the report of Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad, under sub section (2) of section 5-A of the Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894) that the said lands are needed to be acquired at the public expenses for the purpose specified in the column 4 of the schedule hereto.

It is hereby declared under the provisions of section 6 of the said Act that the lands are required for the purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

The Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad is hereby annointed under clause (c) of section 3 of the said Act to perform the functions of a Collector for all proceedings hereafter to be taken in respect of the said lands. He is also directed under action 7 of the said Act; to take order for the acquisition of the said lands.

A Plan of the said lands can be inspected at the office of the Lands Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad,

SCHEDULE						
Village in which the land is situated	S. No. & Hissa	Approxi- mate area of the land required H. Are. Sqr. M.	Public purpose for which lands are needed			
1	2	3	4			
AMLI	585 592 593 607/1 610/2 622/1 622/2 663/1 698/1 699/1	0_00_64 0_00_48 0_10_00 0_00_58 0_08_00 0_03_00 0_00_80 0_01_00 0_03_00 0_03_00				

Land Acquisition Officer, Damanganga Canal Works, At-Valsad. Dadra and Nagar Haveli, Silvassa,

> By order and in the name of Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA Secy. of the Administrator Union Territory of Dadara and Nagar Haveli.

FORM 'C'

(Preliminary Notification)

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

I and Acquisition Act, 1894 (1 of 1894)

Village: SAMARVARNI

No. DCLR/DMG/LA/146/SAMARVARNI

Whereas it appears to the Administration of the Union Torritory of Dadra and Nagar Haveli that the lands specified in the schedule hereto are likely to be needed for a public purpose viz. for.

It is hereby notified under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894), that the said lands are likely to be needed for the purpose specified above.

All persons interested in the said lands are hereby warned not to obstruct or interfere with any Surveyor or other persons employed upon the said lands for the purpose of the said acquisition. Any contracts for the disposal of the said lands by sale, lease, mortgage, assignment, exchange, or otherwise or any outlay or improvements made therein without the sanction of the Collector after the date of this notification will under section 24 (seventhly) of the said Act, by disregarded by the officer assessing compensation for such part of the said lands as may be finally acquired.

If the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied that the said lands are needed for the aforesaid purpose, a final notification to that effect under section 6 of the said Act will be published in the Gazette of India Govrenment in due course. If the acquisition is wandoned, wholly or in part, the fact will be duly notified in the Gazette of India Government.

Under clause (c) of section 3 of the Land Acquisition Act 1894 the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is pleased to appoint LAND ACQUISITION OFFICER (Damaneanga Canal Works) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad to perform the functions of a Collectoi under Section 5-A of said Act, in respect of the said lands

3 -98GI/82

SCHEDU	ULE
--------	-----

Main and Dada		Approximate area of land required.		
Union Territory of Dadra & Nagar Havoli, Village in which land is situated	Survey No. and Hissa No.	Н. А,	S.M.	
1	2	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3	
SAMARVARNI	112/4 113/4	00200 00100		
	113/5 113/6		00—64 00—62	

Land Acquisition Officer, D.C.W. Dadra and Nagar Haveli Silvassa, at Valsad.

By order and in the name of Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA Secy. of the Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Havell.

FORM 'C'

(Preliminary Notification)

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894)

Village: KHARADPADA

No. LAQ/DCW/NH/144/82

Whereas it appears to the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli that the lands specified in the schedule hereto are likely to be needed for a public purpose viz. for Construction 5R 5/MR EX. L.B.M.C. for Damanganga Project.

It is hereby notified under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894), that the said lands are likely to be needed for the purpose specified above.

All persons interested in the said lands are hereby warned not to obstruct or interfere with any Surveyor or other persons employed upon the said lands for the purpose of the said acquisition. Any contracts for the disposal of the said lands by sale, lense, mortgage, assignment, exchange, or otherwise or any outlay or improvements made therein without the sanction of the Collector after the date of this notification will under section 24 (seventhly) of the said Act, be disregarded by the officer assessing compensation for such part of the said lands as may be finally acquired.

If the Administration of the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli is satisfied that the said lands are needed for the aforesaid purpose, a final notification to that effect under section 6 of the said Act will be published in the Gazette of India Government in due course. If the acquisition is abandoned, wholly or in part, the fact will be duly notified in the Gazette of India Government.

Under clause (c) of section 3 of the Land Acquisition Act 1894 the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is pleased to appoint LAND ACOUISITION OFFICER (Damanganga Canal Works) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad to perform the functions of a Collector under section 5-A of the said Act. in respect of the said lands.

SCHEDULE					
Union Territory of Dadra	£	Approximate area of land required			
& Nagar Haveli, Village in which land is situated.	Survey No. and Hissa No.	H. A. S.M.			
t	2	3			
KHARADPADA	386	00700			
	387	00400			
	410	00700			
	411	00100			
	413	0-01-00			
	414	0-24-00			
	Plot				
	1	0-05-00 PK			
	2	0-03-00 PK			
	16	0-01-00 PK			

Sd./- ILLEGIBLE Land Acquisition Officer, Damanganga Canal Works, Dadra and Nagar Haveli, At: Valsad.

> By order and in the name of the Administrator, Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA Secy. to the Administrator, Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

FORM 'D'

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELL SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894)

Village: ATHAL

No. LAQ/DCW/NH/106/81

Whereas by the Administration of the Union Territory of Dadia and Nagar Haveli Notification No. LAQ/NH/106/81/ATHAL dated 14-12-1981 it was notified that the lands specified in the schedule hereto (hereinafter referred to as the said lands), were likely to be needed for the public purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

And whereas the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied after considering the report of Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad, under sub section (2) of section 5-A of the Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894) that the said lands are needed to be acquired at the public expenses for the purpose specified in the column 4 of the schedule hereto.

It is hereby declared under the provisions of section 6 of the said Act that the lands are required for the purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

The Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad is hereby appointed under clause (c) of section 3 of the said Act to perform the functions of a Collector for all proceedings hereafter to be taken in respect of the said lands. He is also directed under section 7 of the said Act, to take order for the acquisition of the said lands,

A Plan of the said lands can be inspected at the office of the Lands Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad.

Village in which the land is situated	S. No. & Hissa.	Approxi- mate area of the lands required H. Are, Sqr. M.	Public purpose for which lands are needed
1	2	3	4
ATHAL	154/5 Paiki 154/6 Paiki 155/1-2 Paiki 156 Paiki	0—20—00 0—06—00 0—03—00 0—10—00	MAIN CANAL FOR DAMAN.
	167/14 Paiki 209/2 Paiki		733

Land Acquisition Officer,
Damanganga Canal Works,
Dadra and Nagar Haveli-Silvassa.
At: Valsad.

By order and in the name of Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA Secy. to the Administrator, Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

FORM 'C'

(Preliminary Notification)

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894)

Village: SILVASSA

No. DCLRIDMG/LA/229/Silvassa.

Whereas it appears to the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli that the lands specified in the schedule hereto are likely to be needed for a public rulpose viz. for Construction 1 R X Sub-minor of 1R Minor for Dunanganga Project.

It is hereby notified under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894), that the said lands are likely to be needed for the purpose specified above.

All persons interested in the said lands are hereby warned not to obstruct or interfere with any Surveyor or other persons employed upon the said lands for the purpose of he aid acquisition. Any contracts for the disposal of the said lands by sale, lease, mortgage, assignment, exchange, or therwise or any outlay or improvements made therein without the sanction of the Collector after the date of this notification will under section 24 (seventhly) of the said Act, be disregarded by the officer assessing compensation for such part of the said lands as may be finally acquired.

If the Administration of the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli is satisfied that the said lands are needed for the aforesaid purpose, a final notification to that effect under section 6 of the said Act will be published in the Gazette of India Government in due course. If the acquisition is abandoned, wholly or in part, the fact will be duly notified in the Gazette of India Government.

Unde clause (c) of section 3 of the Land Acquisition Act 1894 the Administration of the Union Territory of Dadra and Navar Haveli is pleased to appoint LAND ACQUISITION OFFICER (Damaneanga Canal Works) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad to perform the functions of a Collector under section 5-A of said Act, in respect of the said lands.

SCHEDULE					
Nation Transcript of Dadra	Survey	Approximate area of land required			
Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, Village in which land is situated.	No. and Hissa No.	H. A. S. M.			
1	2	3			
SILVASSA	45/1	000809			
	Total	000809			

Sd./- ILLEGIBLE

Land Acquisition Officer,

Damanganga Canal Works, Silvassa

At: Valsad.

By order and in the same of the Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA

Secy. to the Administrator, Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

FORM 'D'

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 15th May 1982

Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894)

Village: KHARADPADA

No. LAQ/DCW/NH/137/87-Kharadpada

Whereas by the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli Notification No. dated

- 1982. It was notified that the lands specified in the schedule hereto (hereinafter referred to as the said lands) were likely to be needed for the public purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

And whereas the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is satisfied after considering the report of Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad, under sub-section (2) of section 5-A of the Land Acquisition Act 1894 (1 of 1894) that the said lands are needed to be acquired at the public expenses for the purpose specified in the column 4 of the scheduled hereto.

It is hereby declared under the provisions of section 6 of the said Act that the lands are required for the purpose specified in column 4 of the schedule hereto.

The Land Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad is hereby appointed under clause (c) of section 3 of the said Act to perform the functions of a Collector for all proceedings hereafter to be taken in respect of the said lands. He is also directed under section 7 of the said Act, to take order for the acquisition of the said lands.

A plan of the said lands can be inspected at the office of the Lands Acquisition Officer (D.C.W.) Dadra and Nagar Haveli Silvassa at Valsad.

SCHEDULE				
Village in which the land is situated	S. No. & Hissa.	Approxi- mate aren of the lands required H. Are, Sqr. M.	Public purpose for which lands are needed.	
1	2	3	4	
KHARADPADA	63/14 64/2 65/1 66/1	0-03-00 C 0-03-00 0-05-00 0-02-00	CONSTRUCTION OF 6 R SUB MINOR FOR DAMANGANGA	
\$	5. No.	H.A	- Sqm,	
(66/2 67/3 67/4 67/5 68		0200 1100 0048 0500 1100	
		04	1248	

SCHEDIII E

Sd./- 1LLEGIBLE

Land Acquisition Officer Damanganga Canal Works, Dadra and Nagar Haveli-Silvassa, At-Valsad.

> By order and in the name of the Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

ASHOK KUMAR ACHARYA Secy. to the Administrator Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI

ADMINISTRATION OF THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI, SILVASSA

Silvassa, the 6th May 1982

Read .--

- (1) Nutification No. ADM/LAW/164(2) 20/76 dated 31st August, 1976.
- (2) Proceeding dated 16th December, 1981 of the 1st Meeting of the Advisory Board constituted under the Minimum Wages Act, 1948 held on 14th December, 1981.

No. ADM/LAW/MW/134(IV)/(7)/82.—The following draft of notification which is proposed to be issued under sub-section (1) of Section 3 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) read with clause (b) of Sub-Section (1) of Section 5, containing proposals for revising minimum rates of wages payable to employees of the employment in industries in the whole of the territory of Dadrar and Nagar Havel: is hereby published as required by clause (b) of Sub-Section (1) of Section 5 of the said Act for the information of all the persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration by the Administration after one month from the date of us publication in the Government of India's Gazette and that any person having any objection to the revision of minimum rates of wages as aforesaid should lodge his objection/representation in writing with the Secretary to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa within a neriod of one month from the date of publication of this draft notification in the official Gazette.

2. Any representation/objection received after the expiry of aforesize period shall not be entertained.

DRAFT NOTIFICATION

No ADM/LAW/MW/134(IV)/(7)/82.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 and clause (b) of Sub-Section (1) of Section 5 of the Minimum

Wages Act, 1948 (11 of 1948) and after consulting the Advisory Board the Administrator, Dadra and Nagar Haveli hereby revises the minimum rates of wages from Rs. 5.00 per day [fixed vide the Administration notification dated 31st August 1976 mentioned at preamble (1) above] to Rs. 6.00 per day, in respect of the un-skilled industrial labourers employed in the scheduled employments other than Agriculture employment in the whole of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

Explanation-

- 1. The Minimum rates of wages payable to a male, female, Adolescent or a child worker shall be the same as those fixed for an adult.
- 2. 'Casual Labourer' includes any person employed for hire or reward to do any work in connection with the employment in industries which is pald Wages with or without perquisites on the basis of working day.

This notification will be effective from the date of its publication in the Gazette of India.

By order of the Administrator.

A. K. ACHARYA Secy. to the Administrator Dadra and Nagar Haveli, Silvassa.

ADMINISTRATION OF DADRA AND NAGAR HAVELI Silvassa, the 15th May 1982

ORDER

No. ADM/LAW/NSA/409(2)/82.—Whereas with due regard to the circumstances prevailing or likely to prevail in Dadra and Nagar Haveli, it is considered necessary to vest powers in the District Magistrate, to exercise functions of the State Government under Sub-Section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980.

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred under Sub-Section (3) of Section 3 of the Naitonal Security Act, 1980, the Administrator, Dadra and Nagar Haveli is pleased to direct and authorise the District Magistrate, Dadra and Nagar Haveli to exercise the powers under Sub-Section (2) of Section 3 of the Act *ibid*, in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli for a period of three months from 1st April 1982 to 30th June 1982.

By order of the Administrator,
A. K. ACHARYA
Secy. to the Administrator,
Dadra and Nagar Haveli,
Silvassa.

UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI

ADMINISTRATION OF DADRA AND NAGAR HAVELI

Silvassa, the 17th May 1982

No. ADM/LAW/Cr.P.C./(9)/82.—In exercise of the powers conferred on him by Sub-section (1) of Section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (No. 2 of 1974) the Administrator, Dadra and Nagar Haveli hereby appoints all Land Reforms Officers of Union Territory of Dadra and Nagar Haveli as Executive Magistrate, Dadra and Nagar Haveli.

This order should take immediate effect.

By order of the Administrator,

A. K. ACHARYA Secy. to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli Silvassa.

UNION TERRITORY OF DADRA & NAGAR HAVELI ADMINISTRATION . .

Silvassa, the 2nd April 1982

No. ADM/EST/RR/SDSCO/1/82.—In exercise of the powers vested in him under the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi's Notification No. F. 3(4)/65-GP, dated the 27th January, 1965 with prior approval of the Union Public Service Commission, New Delhi, the Administrator, Dadra and Nagar Haveli, do hereby prescribe the Recruitment Rules for Class II, Gazetted posts of Sub-Divisional Soil Conservation Officer under the Administration of Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, as per Appendix appended herewith.

By order of the Administrator,

A. K. ACHARYA Secy. to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa.

RECRUITMENT RULES FOR THE POSTS OF SUB-DIVISIONAL SOIL CONSERVATION OFFICER IN DADRA AND NAGAR HAVELI ADMINISTRATION

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selec- tion post.	Age limit for direct recruits.	Whether benofit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruites.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6)(a)	(7)
Sub Divisional Soil Conservation Officer.	2 (two) Subject to variation dependant on work-	General Central Service Group 'B' Gazetted.	Rs, 650-30-740- 35-810-EB-35- 880-40-1000- EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable upto 5 years for Government	No.	Essential (1) Master's degree in Agricultural Chemistry on Sulf Science or

(1)	(2)	(3) (4)	(5)	(6) (6) a	(7)
	load . (1982)			servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Agriculture with Specialisation in Soil Science of a recognised University or equivalent. (ii) 3years'research/ Practical experience in soil conserva- tion/soil survey/ soil science. Note 1:—Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified. Note 2:—The quali- fication(s) regar- ding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candi- dates belonging to Scheduled Tri- bes if, at any stage of selection, the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient num- ber of candidates from these com- munities posse- sing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
Whether age and educa- tional qualifi- cations prescri- bed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exist, what is its composition?	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Age: No. EQ: To the extent indicated in column 11.	2 years.	(i) 50% by promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract) and failing both by direct recruitment. (ii) 50% by direct recruit-	(Soil Conservation) with 8 years' regular service in the grade	Group 'B' D.P.C. 1. Collector — Chairman. 2. Secretary to the Administrator— Member. 3. Chief Agriculture Officer/ Deputy Conservator of Forests;	Consultation with Unior Public Service Commission necessary while making direct recruitment, selecting an officer for appointment on deputation contract and amend

(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
			Central/State Governments/Agriculture Universities/Recognised Research Institutions or Councils/Semi—Government, Statutory or Autonomous organisations:	the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a member of U.P.S.C. shall be held.	
			(a) (i) holding analogous post; or		
			(ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; or		
			(iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent; and		
			(b) Possessing the edu- cational qualifica- tions and experience laid down for direct recruits under col- umn 7.		
			(Period of deputation/ contract shall ordina- rily not exceed 3 years).		

A.K. ACHARYA

By order of the Administrator

Secretary to the Administrator, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa,